ISBN : 978-93-7029-292-5
नवम्बर, 2025 | वर्ष - 04 | अंक - 11

आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका

प्रकाशक

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर
आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर-273007 (उ.प्र.)

सम्पादक
डॉ. विमल कुमार दूबे (प्रधान संपादक)
डॉ. साध्वी नन्दन पाण्डेय (संपादक)

संस्करण
संस्करण : 2025
पृष्ठ : 23
आकार : A4

प्रकाशन
महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर
आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर
उत्तर प्रदेश - 273007
फोन : 9999764424, 8765005177
ईमेल : mguniversitygkp@mgug.ac.in

सम्पादकीय

विकसित भारत 2047 : अमृतकाल की ओर बढ़ता राष्ट्र

भारत केवल भूगोल नहीं, यह जीवन-दर्शन है। यह वह भूमि है जिसने मानवता को योग दिया, आयुर्वेद दिया, अध्यात्म दिया, विज्ञान का बीज दिया और वसुधैव कुटुंबकम का सार्वभौमिक भावनात्मक विचार दिया। भारतस्य प्रतिष्ठे द्वे संस्कृतं संस्कृतिस्तथा विकास की हर योजना में संस्कृति का स्थान केंद्रीय है। विकसित भारत इन्हीं मूल्यों पर आधारित होगा। ऐसा भारत जो आगे बढ़ते हुए भी अपनी आत्मा को सुरक्षित रखे। आज उसी भारत का नवजागरण हो रहा है। हम अपनी जड़ों को पकड़े हुए, आधुनिकता की ओर तीव्र गति से बढ़ रहे हैं। यह संतुलन ही 2047 को विकसित भारत का वर्ष बनाएगा। जब भारत अपनी आज़ादी के शताब्दी वर्ष 2047 की ओर बढ़ रहा है, तब पूरा राष्ट्र एक साझा संकल्प के साथ खड़ा दिखाई देता है। यह संकल्प केवल आर्थिक विकास का नहीं, बल्कि ऐसे भारत के निर्माण का है जो अपनी जड़ों से जुड़ा हुआ, तकनीक से सशक्त, संस्कृति से प्रेरित और नैतिक मूल्यों पर आधारित हो। विकसित भारत 2047 की यह अवधारणा आज अमृतकाल का राष्ट्रीय मंत्र बन चुकी है। एक ऐसा कालखंड, जिसमें भारत दुनिया के सामने अपनी क्षमताओं, नई दृष्टि और अदम्य आत्मविश्वास के साथ खड़ा होता है।

युवाशक्तिरेव राष्ट्रस्य आशा। आज भारत विश्व की सबसे युवा आबादी वाला देश है। हमारी युवाशक्ति सपनों से भरी है, साहस से भरी है और संभावनाओं से भरी है। एक युवा के हाथ में जब किताब होती है, तो वह ज्ञान का दीप जला देता है। जब उसके हाथ में कौशल होता है, तो वह उद्योग खड़ा कर देता है। और जब उसके हृदय में राष्ट्रभक्ति होती है, तो वह इतिहास बदल देता है। आज भारत जिस गति से आगे बढ़ रहा है, वह केवल आंकड़ों की कहानी नहीं, बल्कि मानसिकता के परिवर्तन की कहानी है। विकसित भारत का विचार यह नहीं कहता कि हमें केवल बड़े भवन, तेज़ सड़कें या विशाल उद्योग चाहिए, वह तो कहता है कि हमें एक ऐसा समाज चाहिए जहाँ हर नागरिक प्रगति का साझेदार बनें। देश का युवा वर्ग आज नवाचार, स्टार्टअप्स, कौशल एवं डिजिटल शिक्षा के नए साधनों के साथ विश्व मंच पर अपनी पहचान बना रहा है। यह परिवर्तन केवल शहरों में नहीं, बल्कि गाँवों और छोटे कस्बों तक पहुँच रहा है। यहीं वह भारत है जहाँ एक किसान ड्रोन के द्वारा खेतों की निगरानी करता है और एक छात्र अपने मोबाइल पर विश्वस्तरीय ज्ञान प्राप्त करता है।

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः। का उद्घोष वैदिक काल से ही ऋषि मुनियों द्वारा उद्घोषित हो रहा है। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है। स्वास्थ्य भारत का सबसे महत्त्वपूर्ण आयाम है। एक विकसित राष्ट्र स्वस्थ नागरिकों से ही बनता है। भारत ने यहाँ दोहरी राह अपनाई है। आधुनिक चिकित्सा में मजबूती और आयुर्वेद, योग तथा प्राकृतिक चिकित्सा जैसे पारंपरिक ज्ञान को वैश्विक वेलनेस मॉडल के रूप में स्थापित करना। राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस इसका प्रतीक है कि भारत अब अपनी वैदिक स्वास्थ्य विरासत को नए आत्मविश्वास के साथ विश्व के सामने प्रस्तुत कर रहा है।

विकसित भारत की कल्पना आत्मनिर्भरता के बिना अधूरी है। जब कोई राष्ट्र अपने लिए उत्पादन करता है, अपने लिए तकनीक बनाता है, जब वह अपने किसानों की, अपने वैज्ञानिकों की, अपने श्रमिकों की शक्ति पर भरोसा करता है तभी वह महाशक्ति बनता है। भारत की रक्षा प्रणाली, चंद्रयान-3, अंतरिक्ष अभियान, एआई, रोबोटिक्स, क्वांटम तकनीक डिजिटल भारत, यूपीआई, स्टार्टअप क्रांति ये केवल उपलब्धियाँ नहीं, ये 2047 के भारत की घोषणा हैं। ये सभी कदम भारत को भविष्य के महाशक्तिशाली राष्ट्रों की पंक्ति में खड़ा कर रहे हैं। यह भी समझना होगा कि विकसित भारत का वास्तविक निर्माण विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों में ही होता है। आज आवश्यकता ऐसी शिक्षा की है जो ज्ञान के साथ चरित्र, कौशल, नैतिकता और राष्ट्रीय चेतना भी प्रदान करें। विश्वविद्यालय शोध, तकनीक, आयुर्वेद, कृषि, चिकित्सा और मानवीय विज्ञान सभी क्षेत्रों में विकास भारत 2047 के अभियानों के प्रमुख केंद्र बन सकते हैं। यही संस्थान आने वाले 20-25 वर्षों में ऐसे नागरिक तैयार करेंगे जो इस स्वप्न को साकार करेंगे। 2047 का भारत कैसा होगा। यह प्रश्न केवल सरकार या नीति-निर्माताओं से नहीं, हम सभी से जुड़ा है। यह वह भारत होगा जो विश्व अर्थव्यवस्था में अग्रणी होगा, जो सांस्कृतिक मूल्यों में रूढ़ और वैज्ञानिक दृष्टि से सज्जित होगा, जो आधुनिक भी होगा और आध्यात्मिक भी, जिसमें समृद्धि होगी लेकिन संवेदनशीलता भी। विकसित भारत 2047 केवल लक्ष्य नहीं एक राष्ट्रीय यात्रा है, जिसमें हर नागरिक एक यात्री भी है और निर्माता भी। हमारे संकल्प, हमारी प्रतिबद्धता और हमारी सामूहिक ऊर्जा ही इस स्वप्न को साकार करेगी और जब 2047 आएगा, तो विश्व एक नए भारत को देखेगा। सशक्त, विकसित, आत्मनिर्भर और मानवीय मूल्यों का ध्वजवाहक। यही हमारा मार्ग है, यही हमारा संकल्प।

माह विशेष

प्रबोधिनी एकादशी (देवउठनी एकादशी)

हमारे वेद-पुराणों में मान्यता है कि दिपावली के बाद पड़ने वाली एकादशी पर देव उठ जाते हैं, इसलिए इसे देवउठनी एकादशी कहा जाता है ।यही वजह है कि देवउठनी एकादशी के बाद से सारे शुभ कार्य जैसे विवाह, मुंडन, गृह प्रवेश आदि प्रारंभ हो जाते हैं। देवउठनी एकादशी भगवान विष्णु के जागरण और सृष्टि में शुभता के पुनरागमन का पर्व है। जिसका इतिहास गहरी पौराणिक कथाओं और सच्ची भक्ति के संदेश से जुड़ा है। देवउठनी एकादशी (प्रबोधिनी एकादशी) के दिन भगवान विष्णु चार महीने की योगनिद्रा (चातुर्मास) के बाद जागते हैं, जिससे शुभ और मांगलिक कार्यों, जैसे विवाह, गृह प्रवेश और नए व्यवसाय की शुरुआत के लिए फिर से द्वार खुल जाते हैं। इस दिन तुलसी (विष्णुप्रिया) का विवाह भगवान शालिग्राम (विष्णु का रूप) से किया जाता है, जो कन्यादान के समान पुण्यदायी माना जाता है।

कार्तिक शुक्ल एकादशी का यह दिन तुलसी विवाह के रूप में भी मनाया जाता है और इस दिन पूजन के साथ ही यह कामना की जाती है कि घर में आने वाले मंगल कार्य निर्विघ्न संपन्न हों। तुलसी का पाधों चूंकि पर्यावरण तथा प्रकृति का भी द्योतक है, अतः इस दिन यह संदेश भी दिया जाता है कि औषधीय पौधे तुलसी की तरह सभी में हरियाली एवं स्वास्थ्य के प्रति सजगता का प्रसार हो ।इस दिन तुलसी के पौधों का दान भी किया जाता है। यह पर्व भगवान के जागरण के साथ-साथ जीवन के नवारम्भ और सकारात्मकता का प्रतीक है और इस दिन व्रत रखने से पापों का नाश होता है और सुख-समृद्धि आती है। देवउठनी एकादशी विद्यार्थियों के लिए जागृति, कर्म और सकारात्मकता का प्रतीक है, जो उन्हें निष्क्रियता छोड़कर लक्ष्यों की ओर बढ़ने, एकाग्रता बढ़ाने और आध्यात्मिक शक्ति पाने की प्रेरणा देती है।

यह नैतिक मूल्यों, एकाग्रता और कठिन परिश्रम का महत्व सिखाती है, जिससे विद्यार्थी अपने जीवन में ज्ञान और सफलता प्राप्त कर सकें, क्योंकि भगवान विष्णु के जागने के साथ ही शुभ कार्यों और सृष्टि के संचालन की शुरुआत होती है जिससे भक्तों को दिव्य ज्ञान और मार्गदर्शन मिलता है। चातुर्मास के बाद मांगलिक कार्यों की शुरुआत होती है, जो जीवन में उत्साह और नई ऊर्जा का संचार करती है । विद्यार्थी इस ऊर्जा का उपयोग अपनी शिक्षा और भविष्य को बेहतर बनाने के लिए कर सकते हैं। इससे विद्यार्थियों को पढ़ाई में आने वाली बाधाओं को दूर करने और सही दिशा में आगे बढ़ने की शक्ति मिलती है। संक्षेप में, देवउठनी एकादशी विद्यार्थियों को यह सिखाती है कि अंधकार से निकलकर प्रकाश की ओर बढ़ें, निष्क्रियता छोड़कर कर्मठ बनें ।

अतिथि व्याख्यान

स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान संकाय

पुरातन छात्र आशीष द्वारा अतिथि व्याख्यान

दिनांकः 03 नवम्बर, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान संकाय में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के तत्वावधान में डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री एवं माइक्रोबायोलॉजी द्वारा पुरातन छात्र अतिथि व्याख्यान एवं संवाद का प्रो. (डॉ.) सुनील कुमार सिंह, डीन की अध्यक्षता आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र श्री आशीष चौधरी बीएससी बायोटेक्नोलॉजी, सत्र 2022–2023, जो वर्तमान में सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ जम्मू में अध्यनरत हैं, ने शैक्षणिक ज्ञान की यात्रा विषय पर विद्यार्थियों के साथ अपने शैक्षणिक एवं सामाजिक अनुभवों को साझा किया। अपने संबोधन में श्री आशीष चौधरी ने कहां कि हमें अपने कार्यों को ईमानदारी एवं कुशलता के साथ करना चाहिए।

आगे श्री चौधरी ने कहां कि बायोटेक्नोलॉजी क्षेत्र में उपलब्ध कैरियर अवसरों एवं आवश्यक तकनीकी कौशल के बारे में वर्तमान अध्यनरत विद्यार्थियों के साथ संवाद स्थापित किया। जिसमें विद्यार्थियों को सतत दक्षता एवं व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित किया।

इस सत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को बायोटेक्नोलॉजी, उद्योग में व्यावसायिक अवसरों, कार्य–संस्कृति, कौशल विकास तथा कैरियर संभावनाओं से परिचित कराना मुख्य उद्देश्य रहा।

इस अवसर पर डॉ. अमित कुमार दुबे, डॉ. प्रेरणा अदिति, डॉ. रश्मि शाही, डॉ. अवेद्यनाथ सिंह, श्री धनञ्जय पांडे सहित संकाय के समस्त विद्यार्थिगण उपस्थित रहें।

अतिथि व्याख्यान : दीक्षारंभ

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

दिनांकः 06 नवम्बर, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के गुरु गोरखनाथ आयुर्विज्ञान संस्थान जीजीआईएमएस, आयुर्वेद संकाय में प्रथम प्रोफेशनल बीएएमएस के विद्यार्थियों हेतु एक ज्ञानवर्धक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया।

डीन अकादमिक डॉ. प्रशान्त ने विद्यार्थियों को प्रभावी अध्ययन कौशल एवं स्व–प्रेरित अधिगम विषय पर मार्गदर्शन प्रदान किया।

नवप्रवेशित विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए डीन अकादमिक डॉ. प्रशान्त

अपने व्याख्यान में उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि माइंड मैप बनाना जटिल विषयों को सरल एवं व्यवस्थित रूप में समझने का एक प्रभावी माध्यम है।

सीखने की कला केवल जानकारी ग्रहण करने की नहींए बल्कि उसे आत्मसात कर व्यावहारिक रूप से प्रयोग करने की क्षमता है।शिक्षक या प्रोफेसर वास्तविक रूप में सुविधादाता होते हैं, जो विद्यार्थियों को सही दिशा दिखाने का कार्य करते हैं, जबकि सीखने की पहल विद्यार्थी स्वयं करते हैं।

नोमोनिक्स बनाने की कला स्मरणशक्ति को बढ़ाने में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होती है, यह कठिन जानकारियों को रचनात्मक रूप से याद रखने में सहायक होती है।

उन्होंने डाउन सिंड्रोम की पहचान का उदाहरण देकर बताया कि किस प्रकार सूक्ष्म निरीक्षण और तर्कपूर्ण सोच अध्ययन की गहराई को बढ़ाती है।

उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे हर विषय में स्वयं पहल करेंए क्योंकि आत्म–प्रेरणा ही वास्तविक सफलता का आधार है।

सत्र के अंत में विद्यार्थियों ने व्याख्यान को अत्यंत प्रेरणादायक और व्यावहारिक बताते हुए सत्र का बढ़िया अंत हुआ।

एक दिवसीय कार्यशाला — कृषि संकाय

पर्यावरण संरक्षण एवं सतत् जीवन शैली के प्रति जागरूकता विषयक कार्यशाला में प्रतिभागी

दिनांकः 08 नवम्बर, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित कृषि संकाय एवं वी एम्ब्रेस संस्था के संयुक्त तत्वाधान में इको अभ्यास युवाओं को प्रकृति से जोड़ने, पर्यावरण संरक्षण एवं सतत जीवनशैली के प्रति जागरूकता के विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों में प्रकृति, पौधों, पशुओं और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना तथा जलवायु परिवर्तन जैसे वैश्विक मुद्दों पर स्थानीय स्तर पर योगदान की भावना को सशक्त बनाना रहा।

इस दौरान छात्रों से चर्चा की गई कि कैसे प्रत्येक व्यक्ति छोटे–छोटे कदमों के माध्यम से स्वच्छ पर्यावरण, हरित जीवनशैली और सतत एवं विकसित भारत (Viksit Bharat) के निर्माण में योगदान दे सकता है।

सत्र के दौरान, विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से छात्रों को पर्यावरण संरक्षण, कचरा प्रबंधन, वृक्षारोपण, स्वच्छता और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण से संबंधित संदेश दिए गए। साथ ही, सभी छात्रों ने अपने परिसर को स्वच्छ और हरित (Clean & Green Campus) बनाए रखने का भी संकल्प लिया।

अंत में सभी ने एक स्वर में यह संदेश दिया। 'हमारा पर्यावरण, हमारी जिम्मेदारी। कार्यक्रम में कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दूबे, सह आचार्य डॉ. आयुष पाठक, डॉ. सास्वती प्रेम कुमारी, डॉ. नवनीत सिंह, डॉ. सचिदानंद सिंह, श्री सुरेश निषाद, वी एम्ब्रेस के संस्थापक श्री नेविस, वालंटियर्स एवं स्नातक कृषि विज्ञान के छात्र–छात्राएं उपस्थित रहें।

अतिथि व्याख्यान : दीक्षारंभ — गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

दिनांकः 08 नवम्बर, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद संकाय में आदरणीय डॉ. रघुराम आचार्य जी, छात्र कल्याण अधिष्ठाता, जैव रसायन एवं प्रख्यात शैक्षणिक विद्वान, द्वारा विद्यार्थियों को आनन्द की अवधारणा विषय पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

अपने व्याख्यान में माननीय डॉ. रघुराम आचार्य जी ने विद्यार्थियों को बताया कि जीवन का सच्चा लक्ष्य आत्मानुभूति और स्थायी सुख की प्राप्ति है। उन्होंने आनन्द के अर्थ को विस्तारपूर्वक समझाते हुए बताया कि यह केवल क्षणिक प्रसन्नता नहीं, बल्कि आत्मा की गहन तृप्ति की अनुभूति है। उन्होंने मोक्ष के अर्थ को स्पष्ट करते हुए कहा कि यह आत्मा की परम स्वतंत्र अवस्था है, जहाँ समस्त बंधनों से मुक्ति मिलती है। विद्यार्थियों के साथ समूह चर्चा के माध्यम से उन्होंने विषय को और अधिक रोचक एवं सहभागी बनाया। उन्होंने तैत्तिरीय उपनिषद का उल्लेख करते हुए उसमें वर्णित आनन्द से संबंधित प्रमुख मंत्रों और वाक्यांशों की व्याख्या की।

नवप्रवेशित विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए डॉ. रघुराम अचर

सत्र के अंत में विद्यार्थियों ने इस व्याख्यान को अत्यंत प्रेरणादायक, आध्यात्मिक एवं ज्ञानवर्धक बताया।

सत्र के उपरांत डॉ. रघुराम आचार्य जी को उनके उत्कृष्ट व्याख्यान के लिए सम्मानित किया गया।यह सत्र विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी, प्रेरक और आत्मचिंतन से परिपूर्ण रहा।

अतिथि व्याख्यान : दीक्षारंभ

गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

नवप्रवेशित विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए डॉ. मधुसूदन पुरोहित

दिनांकः 08 नवम्बर, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस में आदरणीय डॉ. मुरलीधर पुरोहित जी, फार्मेसी संकाय के अधिष्ठाता, द्वारा विद्यार्थियों को प्रयोगों से परे आयुर्वेद विषय पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया। इस ज्ञानवर्धक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया।

अपने व्याख्यान में माननीय डॉ. मुरलीधर पुरोहित जी ने विद्यार्थियों को बताया कि उद्यमिता विकास में क्षमता निर्माण गतिविधियाँ आयुर्वेद के आधुनिक विस्तार के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने आयुर्वेदिक उद्यमियों के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए ऋधिमा अरोड़ा तथा डॉ. वैद्य जैसे सफल उद्यमियों के कार्यों का उल्लेख किया।

उन्होंने बताया कि आज के युग में सोशल मीडिया पर आयुर्वेद का प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है, जिससे जनसामान्य में पारंपरिक चिकित्सा पद्धति के प्रति जागरूकता बढ़ी है।

उन्होंने यह भी समझाया कि आयुर्वेद पर आधारित कंपनियाँ कैसे देश–विदेश में अपनी पहचान बना रही हैं और यह क्षेत्र युवाओं के लिए नए अवसर प्रदान कर रहा है।

सत्र के अंत में विद्यार्थियों ने इस व्याख्यान को अत्यंत प्रेरणादायकए व्यवहारिक और ज्ञानवर्धक बताया।

सत्र के उपरांत डॉ. मुरलीधर पुरोहित जी को उनके उत्कृष्ट व्याख्यान के लिए आदरणीय डॉ. श्रीधर लक्कुंडी जी द्वारा सम्मानित किया गया। यह सत्र विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरक सिद्ध हुआ।

अतिथि व्याख्यान : दीक्षारंभ

गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

नवप्रवेशित विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए डॉ. तरूण श्याम

दिनांकः 08 नवम्बर, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस में आदरणीय डॉ. तरुण शर्मा जी प्रबंध शास्त्र स्नातकोत्तर, दर्शनशास्त्र में डॉक्टरेट, व्यवसाय एवं वाणिज्य संकाय के विभागध्यक्ष द्वारा विद्यार्थियों को शैक्षणिक क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका विषय पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

अपने व्याख्यान में माननीय डॉ. तरुण शर्मा जी ने विद्यार्थियों को बताया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता भविष्य को आकार दे रही है और यह शिक्षा तथा व्यवसाय दोनों क्षेत्रों में व्यापक परिवर्तन ला रही है। उन्होंने एआई के घटक के रूप में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला। उन्होंने नेपकिन उपकरण के उपयोग को समझाते हुए बताया कि यह किस प्रकार आँकड़ों के प्रभावी विश्लेषण में सहायक सिद्ध हो सकता है। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के नैदानिक उपयोग, आँकड़ा दोहन डेटा माइनिंग तथा पाठ्य विश्लेषण में महत्व को स्पष्ट किया। अंत में उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़ी चुनौतियों पर चर्चा की और विद्यार्थियों को इसके जिम्मेदार एवं विवेकपूर्ण उपयोग के लिए प्रेरित किया।

सत्र के अंत में विद्यार्थियों ने इस व्याख्यान को अत्यंत प्रेरणादायक, आधुनिक एवं उपयोगी बताया।

सत्र के उपरांत डॉ. तरुण श्याम जी को उनके उत्कृष्ट व्याख्यान के लिए आदरणीय डॉ. श्रीधर जी द्वारा सम्मानित किया गया। यह सत्र विद्यार्थियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक रहा।

अतिथि व्याख्यान : दीक्षारंभ

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

नवप्रवेशित विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए डॉ. हरिओम

दिनांक: 10 नवम्बर, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरू गोरक्षनाथ इंस्टि्टयूट ऑफ मेडिकल साइंसेस में आदरणीय डॉ. हरिओम जी, मानव संसाधन विभाग, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय से द्वारा विद्यार्थियों को समय प्रबंधन की रणनीतियाँ विषय पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

अपने व्याख्यान में माननीय डॉ. हरिओम जी ने विद्यार्थियों को बताया कि समय एक अमूल्य संसाधन है, जिसका सदुपयोग जीवन में सफलता का प्रमुख आधार है।

उन्होंने समय प्रबंधन के चार डी नियम की व्याख्या की, जिसमें कार्यों को करना, सौंपनाए स्थगित करना और हटाना इन चार श्रेणियों में बाँटने पर बल दिया।

उन्होंने विद्यार्थियों को यह समझाया कि हर कार्य को निश्चित समय सीमा में पूरा करना आत्मअनुशासन और दक्षता बढ़ाने का श्रेष्ठ उपाय है। उन्होंने 50.10 नियम का उल्लेख करते हुए बताया कि 50 मिनट तक एकाग्र होकर कार्य करने के बाद 10 मिनट का विश्राम लेने से कार्यक्षमता और मनोबल दोनों में वृद्धि होती है। सत्र के अंत में विद्यार्थियों ने इस व्याख्यान को अत्यंत उपयोगीए प्रेरणादायक और जीवन प्रबंधन से जुड़ा बताया।

सत्र के उपरांत डॉ. हरिओम जी को उनके उत्कृष्ट व्याख्यान के लिए आदरणीया डॉ. देवी आर नायर मैडम द्वारा सम्मानित किया गया। यह सत्र विद्यार्थियों के लिए अत्यंत मार्गदर्शक और प्रेरक सिद्ध हुआ।

अतिथि व्याख्यान

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

नवप्रवेशित विद्यार्थियों को शोध लेखन के प्रति जागरूक करते हुए डॉ. रघुराम अचर

दिनांक: 10 नवम्बर, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरू गोरक्षनाथ इंस्टि्टयूट ऑफ मेडिकल साइंसेस में आदरणीय डॉ. रघुराम आचार्य जी, छात्र कल्याण अधिष्ठाता, द्वारा विद्यार्थियों को वैज्ञानिक लेखन बनाम सामान्य लेखन विषय पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

अपने व्याख्यान में माननीय डॉ. रघुराम आचार्य जी ने विद्यार्थियों को बताया कि वैज्ञानिक लेखन और सामान्य लेखन में मूलभूत अंतर होता है। वैज्ञानिक लेखन तथ्यों, अनुसंधान और प्रमाणों पर आधारित होता है, जबकि सामान्य लेखन में विचारों की स्वतंत्र अभिव्यक्ति होती है।

उन्होंने पाँच सी ढाँचे का उल्लेख किया, जिसमें पाँच अंग हैं समान आधार, जटिलता, चिंता, कार्य योजना और योगदान। यह ढाँचा प्रभावी वैज्ञानिक लेखन की नींव रखता है। उन्होंने विद्यार्थियों को वैज्ञानिक लेखन की संरचना समझाते हुए कहा कि इसमें भूमिका, कार्यविधि, परिणाम और निष्कर्ष जैसे क्रमिक अंग शामिल होते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों के समक्ष वैज्ञानिक लेखन के उदाहरण रखे, जिससे उन्हें इसकी व्यावहारिक रूपरेखा का ज्ञान हुआ। सत्र के दौरान विद्यार्थियों ने समूह गतिविधि के माध्यम से स्वयं अपने वैज्ञानिक लेख तैयार किए और सीखी हुई विधि का प्रयोग किया।

अंत में उन्होंने चिकित्सा क्षेत्र में साहित्यिक चोरी की समस्या पर चिंता व्यक्त की और विद्यार्थियों को मौलिकता तथा नैतिकता बनाए रखने का संदेश दिया। सत्र के अंत में विद्यार्थियों ने इस व्याख्यान को अत्यंत शिक्षाप्रद, उपयोगी और प्रेरणादायक बताया।

सत्र के उपरांत डॉ. रघुराम आचार्य जी को उनके उत्कृष्ट व्याख्यान के लिए सम्मानित किया गया। यह सत्र विद्यार्थियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक और चिंतनशील सिद्ध हुआ।

अतिथि व्याख्यान : दीक्षारंभ

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए डॉ. मधुसूदन पुरोहित

दिनांकः 10 नवम्बर, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस में आदरणीय डॉ. मधुसूदन पुरोहित जी, अनुसंधान अधिष्ठाता डीन शोध व विकास द्वारा विद्यार्थियों को युवा हाथों में विरासत विषय पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

अपने व्याख्यान में माननीय डॉ. मधुसूदन पुरोहित जी ने विद्यार्थियों को बताया कि आयुर्वेद एक सशक्त विज्ञान है, जो शरीर, मन और आत्मा के संतुलन को बनाए रखने के वैज्ञानिक सिद्धांतों पर आधारित है।

उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए बताया कि आज के युग में नए स्टार्टअप्स आयुर्वेद के क्षेत्र में नवाचार का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं, जिनमें निरोग स्त्री, नाड़ी तरंगगिनी और इक्सोरियल ब्लूमेड जैसे सफल उदाहरण शामिल हैं।

उन्होंने विद्यार्थियों के साथ भविष्य में बीएएमएस पाठ्यक्रम के संभावनाओं पर समूह चर्चा आयोजित की, जिससे विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और दृष्टिकोण का विकास हुआ।

उन्होंने कहा कि युवाओं के हाथों में जब आयुर्वेद की विरासत सशक्त रूप से संजोई जाएगी, तभी यह परंपरा आधुनिक युग में और भी सुदृढ़ रूप से स्थापित होगी।

सत्र के अंत में विद्यार्थियों ने इस व्याख्यान को अत्यंत प्रेरणादायक, व्यवहारिक और ज्ञानवर्धक बताया।

सत्र के उपरांत डॉ. मधुसूदन पुरोहित जी को उनके उत्कृष्ट व्याख्यान के लिए सम्मानित किया गया। यह सत्र विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरक सिद्ध हुआ।

ऑनलाइन व्याख्यान : दीक्षारंभ

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

नवप्रवेशित विद्यार्थियों को आभासी माध्यम से सम्बोधित करते हुए डॉ. सत्यनारायण

दिनांकः 10 नवम्बर, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस में आदरणीय डॉ. सत्यनारायण दोर्नाला जी बीएएमएस, एमडी, पीएचडी द्वारा विद्यार्थियों की परंपरा और महत्वाकांक्षा का समन्वय विषय पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

अपने व्याख्यान में माननीय डॉ. सत्यनारायण दोर्नाला जी ने विद्यार्थियों को बताया कि आयुर्वेद मानव जीवन का संचालन और अनुरक्षण मार्गदर्शिका ऑपरेशन एंड मेंटेनेंस मैनुअल है, जो शरीर, मन और आत्मा के संतुलन को बनाए रखने की शिक्षा देता है। उन्होंने एलोपैथी और आयुर्वेद के बीच के अंतर को स्पष्ट करते हुए बताया कि जहाँ एलोपैथी लक्षणों के उपचार पर केंद्रित है, वहीं आयुर्वेद रोग के मूल कारण को मिटाने पर बल देता है।

उन्होंने आयुर्वेद को दबाने के ऐतिहासिक प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि अब समय आ गया है जब हमें अपनी परंपरा को पुनः वैज्ञानिक दृष्टिकोण से स्थापित करना चाहिए।

उन्होंने विद्यार्थियों को आयुर्वेदिक विरासत पर गर्व करने और इसके संरक्षण एवं प्रसार में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

अपने व्याख्यान में उन्होंने स्पार्क परियोजना का परिचय देते हुए बताया कि यह कार्यक्रम आयुर्वेद और आधुनिक चिकित्सा पद्धति के समेकित एकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

अंत में उन्होंने आयुर्वेद और एलोपैथी के एकीकरण के माध्यम से चिकित्सा क्षेत्र में एक संतुलित और समग्र दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

सत्र के अंत में विद्यार्थियों ने इस व्याख्यान को अत्यंत प्रेरणादायक, वैज्ञानिक एवं विचारोत्तेजक बताया।

सत्र के उपरांत डॉ. सत्यनारायण दोर्नाला जी को उनके उत्कृष्ट व्याख्यान के लिए सम्मानित किया गया। यह सत्र विद्यार्थियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक और प्रेरक सिद्ध हुआ।

व्यावसायिक मार्गदर्शन कार्यशाला

फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल

व्यावसायिक मार्गदर्शन कार्यशालाओं में प्रतिभाग करते हुए विद्यार्थी

दिनांकः 10 नवम्बर, 2025 को फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर द्वारा महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज, गोरखपुर में कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम का संचालन मिस हर्षिता एवं मिस अर्पणा प्रजापति द्वारा किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को चिकित्सा विज्ञान एवं स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में उपलब्ध विभिन्न कैरियर अवसरों की जानकारी प्रदान करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के संस्थापक तथा हमारे प्रेरणास्रोत परमपूज्य योगी आदित्यनाथ जी को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए किया गया।

वक्ताओं ने विद्यार्थियों को नर्सिंग शिक्षा की परिभाषा, उद्देश्य, आवश्यकता एवं महत्व के साथ–साथ नर्सिंग क्षेत्र की विभिन्न विशेषताओं जैसे–अस्पताल आधारित, सामुदायिक, अनुसंधान आधारित, उच्च प्रौद्योगिकी, प्रशासनिक एवं शैक्षणिक नर्सिंग के बारे में विस्तार से जानकारी दी।साथ ही, विद्यार्थियों को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में संचालित विभिन्न संकायों एवं कार्यक्रमों के बारे में बताया गया। इनमें प्रमुख रूप से सहायक स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, फार्मास्युटिकल विज्ञान संकाय, कृषि संकाय, नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय, गुरु गोरक्षनाथ आयुर्वेदिक चिकित्सा संस्थान, श्री गोरक्षनाथ चिकित्सा महाविद्यालय, अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र तथा प्रबंधन अध्ययन संकाय शामिल हैं।

वक्ताओं ने बताया कि इन सभी संकायों के माध्यम से विद्यार्थियों को आधुनिक चिकित्सा, फार्मेसी, कृषि, प्रबंधन, आयुर्वेद एवं स्वास्थ्य सेवाओं के विभिन्न क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता की शिक्षा और प्रशिक्षण के अवसर प्राप्त होते हैं। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय में उपलब्ध अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं, सुसज्जित हॉल, पाठ्यक्रम संरचना, सह–पाठ्यक्रमीय गतिविधियों, हॉस्टल एवं आवास सुविधाओं की भी जानकारी दी गई।

अंत में, विद्यार्थियों को प्रवेश प्रक्रिया एवं आवेदन की विधि के बारे में अवगत कराया गया। यह कार्यक्रम अत्यंत सफल एवं ज्ञानवर्धक रहा, जिससे विद्यार्थियों में चिकित्सा एवं नर्सिंग क्षेत्र के प्रति उत्साह और जागरूकता में वृद्धि हुई।

अतिथि व्याख्यान : दीक्षांरभ

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

नवप्रवेशित विद्यार्थियों को सम्बोधित करती हुई डॉ. अपर्णा पाठक

दिनांकः 11 नवम्बर, 2025 का महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस में डॉ. अपर्णा पाठक मैडम, प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक, द्वारा विद्यार्थियों को 'त्रिगुण सिद्धांत का प्रयोग' विषय पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

अपने व्याख्यान में आदरणीया डॉ. अपर्णा पाठक मैडम ने विद्यार्थियों को बताया कि त्रिगुण सिद्धांत में सत्त्व, रजस और तमस ये तीनों गुण मानव व्यक्तित्व और उसके व्यवहार के मूल आधार हैं।

उन्होंने समझाया कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता (इमोशनल इंटेलिजेंस) व्यक्ति को अपनी भावनाओं को समझने, नियंत्रित करने और दूसरों की भावनाओं को पहचानने में सहायक होती है।

उन्होंने 'मिरर टच सिनेस्थीसिया' की अवधारणा को सरल उदाहरणों के माध्यम से समझाया, जिसमें व्यक्ति दूसरों के अनुभवों को अपने भीतर महसूस कर सकता है। अंत में उन्होंने आत्मनिर्भरता (आत्मनिर्भरता) के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि संतुलित मन और त्रिगुणों की समझ से व्यक्ति सशक्त और आत्मविश्वासी बन सकता है। सत्र के अंत में विद्यार्थियों ने इस व्याख्यान को अत्यंत ज्ञानवर्धक, चिंतनशील और जीवनमूल्य आधारित बताया।

सत्र के उपरांत डॉ. अपर्णा पाठक मैडम को उनके प्रेरणादायक व्याख्यान हेतु सम्मानित किया गया।

शैक्षणिक भ्रमण

कृषि संकाय

शैक्षणिक भ्रमण के दौरान कृषि संकाय के विद्यार्थी

दिनांकः 11 नवम्बर, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित कृषि संकाय के पंचम सेमेस्टर के विद्यार्थियो ने लखनऊ स्थित राष्ट्रीय महत्व के चार प्रमुख संस्थानों (NBRI, CIMAP, IISR, NBFGR) का दो दिवसीय (11–12 नवम्बर, 2025) शैक्षिणिक भ्रमण किया।

इस भ्रमण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक कृषि विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, मत्स्य प्रजनन व आनुवांशिकी एवं वनस्पति अनुसंधान क्षेत्र में हो रहे, शोध व नवाचार से परिचित कराना था। विद्यार्थियो ने औषधीय व सगंध पौधो पर चल रहे शोध, तेल निष्कर्षण तकनीक, उत्तक संवर्धन फसल विकास, मछलियों की अनुवांशिक विविधता, मत्स्य प्रजन्न कार्यक्रम, मत्स्य अनुवांशिकी संरक्षण के साथ गन्ने की उच्च उत्पादकता, एकीकृत कीट व रोग प्रबन्धन, यांत्रिकीरण, ड्रिप व फर्टिगेशन जैसी आधुनिक तकनीकों के साथ पौध अनुवांशिकी व संर्वधन ऊर्जा तथा पर्यावरण के जुडें उन्नत शोध के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

यह दो दिवसीय भ्रमण विद्यार्थियों के लिए अत्यन्त प्रेरणादायी व ज्ञानवर्धक सिद्व हुआ। विद्यार्थियो ने आधुनिक शोध पद्वतियों की व्यवधारिक समझ प्राप्त की।

इस शैक्षिणिक भ्रमण का आयोजन अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. विमल कुमार दूबे के कुशल निर्देशन में डॉ. सच्चिदानन्द सिंह व डॉ. सास्वती प्रेमकुमारी के द्वारा सम्पन्न हुआ।

अतिथि व्याख्यान

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

नवप्रवेशित विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए अतिथिगण

दिनांकः 13 नवम्बर, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरू गोरक्षनाथ इंस्टि्टयूट ऑफ मेडिकल साइंसेस में आदरणीय डॉ. राजीव सक्सेना जी, सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के प्राध्यापक एवं अध्यक्ष, द्वारा विद्यार्थियों को 'सत्य पथ' विषय पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

अपने व्याख्यान में आदरणीय डॉ. राजीव सक्सेना जी ने विद्यार्थियों को बताया कि एक सत्य के अनेक अर्थ हो सकते हैं और उसका अनुभव प्रत्येक व्यक्ति अपने ज्ञान, संस्कार और दृष्टिकोण के अनुसार करता है। उन्होंने शिष्टाचार्य आयुर्वेद की परंपरा का उल्लेख करते हुए बताया कि सत्य का पालन केवल वचन में नहीं, बल्कि आचरण और व्यवहार में भी आवश्यक है।

उन्होंने बार्डो ध्यान तथा ताई ची जैसी पूर्वी साधनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि ये अभ्यास आत्मजागरण और मानसिक संतुलन में सहायक हैं।समाज में प्रचलित संस्थागत लिंग भेद पर चर्चा करते हुए उन्होंने समानता और संवेदनशीलता के दृष्टिकोण से सोचने का आग्रह किया। अंत में उन्होंने डॉ. ब्रायन वीस की प्रसिद्ध अवधारणा 'वन सोल, मेनी बॉडीज़' का संदर्भ देते हुए आत्मा की निरंतरता और अनुभव की गहराई पर चिंतन करने को प्रेरित किया। विद्यार्थियों ने इस व्याख्यान को अत्यंत विचारोत्तेजक, आध्यात्मिक एवं ज्ञानवर्धक बताया। सत्र के उपरांत डॉ. राजीव सक्सेना जी को उनके प्रेरणादायक व्याख्यान के लिए सम्मानित किया गया।

अतिथि व्याख्यान

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

दिनांकः 13 नवम्बर, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के गुरु गोरखनाथ आयुर्विज्ञान संस्थान आयुर्वेद संकाय में आदरणीय डॉ. राहुल मोदी जी, एबीबीएस, आरोग्य मंदिर से द्वारा विद्यार्थियों को 'अष्टांग योग की मूल समझ' विषय पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया। अपने व्याख्यान में आदरणीय डॉ. राहुल मोदी जी ने विद्यार्थियों को बताया कि योग क्या है योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि मन, शरीर और आत्मा के समन्वय की साधना है।

उन्होंने समझाया कि योग क्यों आवश्यक है, क्योंकि यह व्यक्ति को तनावमुक्त, एकाग्र और संतुलित जीवन जीने की दिशा में प्रेरित करता है।

उन्होंने अष्टांग योग के आठ अंगों यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि का विस्तृत परिचय करायाए तथा बताया कि प्रत्येक अंग आत्मविकास की एक महत्वपूर्ण सीढ़ी है।

उन्होंने विद्यार्थियों को यह भी बताया कि नियमित अभ्यास से योग केवल शरीर को नहीं, बल्कि विचारों और भावनाओं को भी अनुशासित करता है।

सत्र के अंत में विद्यार्थियों ने इस व्याख्यान को अत्यंत प्रेरणादायक, शांति प्रदान करने वाला और जीवनोपयोगी बताया।

प्रतियोगिता

स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान संकाय

पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुति देती छात्रा

दिनांकः 14 नवम्बर, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान संकाय के फॉरेंसिक विभाग एवं बायोकेमिस्ट्री विभाग के प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के मध्य दिनांक 14 नवम्बर 2025 को 'Powerpoint Presentation competition' का आयोजन डॉ. मनीष एवं सुश्री निकिता वर्मा के नेतृत्व में किया गया।

इस प्रतियोगिता में दोनों विभागों के कुल स्नातक के 84 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक अपनी सहभागिता दी। इस प्रतियोगिता में 8 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया और अपनी रचनात्मकता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा प्रस्तुति कौशल का शानदार प्रदर्शन पावर प्वाइंट के माध्यम से विभिन्न विषयों पर किया। इस अवसर पर संकाय के अधिष्ठाता प्रो सुनील कुमार सिंह ने विद्यार्थियों का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि इस तरह के प्रतियोगिताओं में भाग लेने से न केवल हमारा व्यक्तित्व निखरता है वरन प्रतियोगिता के तैयारी के दौरान हमारा विषय ज्ञान भी बढ़ता है अतः इसे अवसर के रूप में ले। इस प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल के तौर पर बायोकेमिस्ट्री विभाग की कार्यवाहक विभागाध्यक्ष, डॉ, प्रेरणा अदिति डॉ. मनीष एवं सुश्री शिमरन मुख्य रूप से रहें।

सभी प्रतिभागियों में से तीन विद्यार्थियों क्रमशः शिफा वारसी, अमृता पाण्डेय एवं श्रेया पटेल का प्रदर्शन विशेष रूप से उत्कृष्ट रहा और कलात्मक प्रस्तुति से सभी को प्रभावित किया।

इस अवसर पर फोरेंसिक विज्ञान एवं बायोकेमिस्ट्री विभाग के समस्त विद्यार्थिगण एवं शिक्षकगण उपस्थित रहें।

शैक्षणिक भ्रमण

स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान संकाय

आदर्श पुलिस चौकी पर पुलिस कार्य पद्धति को समझते विद्यार्थी

दिनांकः 14 नवम्बर, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान संकाय के फॉरेंसिक विभाग एवं बायोकेमिस्ट्री विभाग के प्रथम वर्ष के एक समूह के 30 विद्यार्थियों को 'आर्दश पुलिस स्टेशन भ्रमण' डॉ. मनीष एवं सुश्री निकिता वर्मा के नेतृत्व आयोजित किया गया।

जिसमें विद्यार्थियों को आदर्श पुलिस स्टेशन गोरखनाथ पर विद्यार्थियों को थाना प्रभारी शशिभूषण राय एवं निरीक्षक उमेश कुमार सिंह जी के मार्गदर्शन में पुलिस कार्य पद्धति एवं केस पड़ताल की बारिकियों को सीखा।

इस अवसर पर थाना प्रभारी शशिभूषण जी के द्वारा विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप लोग बहुत सौभाग्यशाली है कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के फोरेंसिक विज्ञान के प्रथम बैंच के रूप में पढ़ने का अवसर प्राप्त हुआ है। क्योंकि यहां संस्कार के साथ साथ विषय का ज्ञानार्जन सुनिश्चित किया जाता है। विद्यार्थियों को थाना के अन्दर कारागार, रिकॉर्ड कार्यालय, शस्त्रागार, मालागार आदि से भी रूबरू कराया गया। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए निरीक्षक उमेश जी के द्वारा घटना निरीक्षण, साक्ष्य संग्रहण एवं आपराधिक संलिप्तता के बारे विस्तार से जानकारी को साझा किया।

इस अवसर पर फोरेंसिक विज्ञान के समस्त विद्यार्थिगण एवं शिक्षकगण उपस्थित रहें।

'आर्दश पुलिस चौकी भ्रमण' स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान संकाय

थाना प्रभारी शशिभूषण एवं निरीक्षक उमेश कुमार सिंह से पुलिस कार्य पद्धति की जानकारी लेते विद्यार्थी

दिनांकः 15 नवम्बर, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान संकाय के फॉरेंसिक विभाग के प्रथम वर्ष के द्वितीय समूह के 30 विद्यार्थियों को दिनांक 15 नवम्बर 2025 को 'आर्दश पुलिस स्टेशन भ्रमण' डॉ. मनीष, सुश्री निकिता वर्मा एवं सुश्री शिमरन के नेतृत्व पुनः आयोजित किया गया।

जिसमें विद्यार्थियों को पूर्व निर्धारित आदर्श पुलिस स्टेशन गोरखनाथ पर विद्यार्थियों को थाना प्रभारी शशिभूषण राय एवं निरीक्षक उमेश कुमार सिंह जी के मार्गदर्शन में पुलिसींग कार्य. पद्धति एवं घटना पड़ताल की बारिकियों के बारे में गहनता से बताया।

इस अवसर पर थाना प्रभारी शशिभूषण जी के द्वारा विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि फोरेंसिक विज्ञान एवं पुलिस दोनों ही एक सिक्के दो पहलू हैं। हम दोनों की उपयोगिता समाज में हो रहे अपराधों एवं अपराधियों को साक्ष्यों एवं विवेचना के आधार पर दोषियों को सजा दिलाना है। अतः आप सभी को अपने कर्तव्यों के प्रति सदैव जागरूक एवं ईमानदार रहना चाहिए।

विद्यार्थियों को शस्त्र कि बारीकियों के साथ साथ थाना के अन्दर कारागार, रिकॉर्ड कार्यालय, शस्त्रागार, मालागार, मिशन शक्ति योजना, बाल मित्र की उपयोगिता, साइबर सेल एवं साइबर अपराध से बचाव के बारे मुख्य रूप से मार्गदर्शन निरीक्षक उमेश कुमार सिंह जी के द्वारा किया गया। मार्गदर्शन के क्रम में आगे विद्यार्थियों को घटना निरीक्षण, साक्ष्य संग्रहण एवं आपराधिक संलिप्तता के बारे विस्तार से जानकारी को साझा किया।

पुलिसिंग सामुदायिक कार्य. प्रणाली एवं नागरिक शिकायत निवारण पर संवाद विद्यार्थियों के मध्य पुलिस सहकर्मीयों के द्वारा किया गया।

इस अवसर पर फोरेंसिक विज्ञान के विद्यार्थिगण एवं शिक्षकगण उपस्थित रहें।

दीक्षारंभ समारोप गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

दीक्षा पाठ्यचर्या आर्युप्रवेशिका के समापन समारोह में पाथेय प्रदान करते डॉ. त्रिविक्रम मणि त्रिपाठी

दिनांकः 15 नवम्बर, 2025 को गुरु गोरखनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज़, आयुर्वेद कॉलेज गोरखपुर में नवप्रवेशित बीएएमएस विद्यार्थियों पंचदशदिवसीया दीक्षा पाठ्यचर्या आयुर्वप्रवेशिका के समापन समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित डॉ. त्रिविक्रम त्रिपाठी (विभागाध्यक्ष, कौमारभृत्य) ने अपने संबोधन में कहा के दीक्षा पाठ्यचर्या शैक्षिक और सांस्कृतिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देता है। चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहें और अपने सपनों को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करें। याद रखें, सफलता के लिए धैर्य और

निरंतरता महत्वपूर्ण है।

नव प्रवेशित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदान्तम् जी ने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि शिक्षा केवल एक दिनचरी नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा समय है जब हमें अपनी प्रतिभा को विकसित करने और नए अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिलता है। हमें उम्मीद है कि हमारे छात्र अपनी पढ़ाई के साथ–साथ सांस्कृतिक और साहित्यिक गतिविधियों में भी भाग लेंगे और अपने कॉलेज जीवन को यादगार बनाएंगे। हम छात्रों को यह भी सलाह देना चाहते हैं कि वे अपने समय का सदुपयोग करें और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए परिश्रम करें।

इस पंचदश दीक्षा पाठचर्या आयुर्प्रवेशिका का सूक्ष्म चलचित्र प्रदर्शित किया गया। पंचदश दीक्षा पाठचर्या आयुर्प्रवेशिका की आख्या डॉ. देवी आर नायर द्वारा किया गया, जिसमें उन्होंने बताया इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों के अपेक्षाओं और पूर्व ज्ञान का आकलन किया। उन्हें आयुर्वेद के प्रकृति त्रि सूत्र सिद्धांत, अष्टांग आयुर्वेद और संस्कृत शिक्षा, जीवन रक्षा विधि जैसे विषयों के जान से परिचित कराया गया इसके साथ–साथ आयुर्वेद, आई एकीकरण, शिष्योपनयन संस्कार और सॉफ्ट स्किल्स पर चर्चा की गई।

इस प्रकार, आयुर्वेद प्रवेशिका कार्यक्रम ने छात्रों को सैद्धांतिक ज्ञान, व्यावहारिक कौशल और पेशेवर विकास के अवसर प्रदान किया गया। स्वागत भाषण आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय ने किया व आभार ज्ञापन डॉ. दीपू मनोहर द्वारा किया गया। इस समारोह में डॉ. प्रिया एस नैयर, डॉ. श्रीधर सहित सभी प्राध्यापक, चिकित्सक एवं नागार्जुन और माधवकर बैच के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहें।

नशा मुक्ति भारत अभियान

फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल

भारत को नशा मुक्त करने की शपथ लेते विद्यार्थी

दिनांकः 18 नवम्बर, 2025 को फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में नशामुक्ति भारत अभियान के तहत शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों में नशे के प्रति जागरूकता पैदा करना और नशामुक्त समाज के निर्माण हेतु सामूहिक संकल्प को मजबूत करना था।

शपथ ग्रहण के दौरान नर्सिंग और पैरामेडिकल के सभी विद्यार्थी एवं फैकल्टी सदस्य एक स्वर में नशामुक्ति के लिए शपथ लिए। उन्होंने यह संकल्प लिया कि वे स्वयं किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहेंगे और दूसरों को भी इसके दुष्परिणामों से बचने के लिए प्रेरित करेंगे।

कार्यक्रम पूरी तरह शपथ ग्रहण पर आधारित था और सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआए जिसमें सभी उपस्थित लोगों ने नशामुक्त भारत के निर्माण में सहयोग देने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

व्यावसायिक परामर्श कार्यशाला

फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल

चिकित्सा व स्वास्थ्य क्षेत्र में रोजगार अवसरों की जानकारी प्राप्त करते हुए विद्यार्थी

दिनांकः 19 नवम्बर, 2025 को फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर द्वारा स्टेपिंग स्टोन, मनिराम, सिकटौर, गोरखपुर में कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम का संचालन मिस प्रिया पाठक एवं श्री कुलदीप यादव द्वारा किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को चिकित्सा विज्ञान एवं स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में उपलब्ध विभिन्न कैरियर अवसरों की जानकारी प्रदान करना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्

के संस्थापक तथा हमारे प्रेरणास्रोत परमपूज्य योगी आदित्यनाथ जी को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए किया गया।

वक्ताओं ने विद्यार्थियों को नर्सिंग शिक्षा की परिभाषा, उद्देश्य, आवश्यकता एवं महत्व के साथ–साथ नर्सिंग क्षेत्र की विभिन्न विशेषताओं जैसेकृअस्पताल आधारित, सामुदायिक, अनुसंधान आधारित, उच्च प्रौद्योगिकी, प्रशासनिक एवं शैक्षणिक नर्सिंग के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

साथ ही, विद्यार्थियों को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में संचालित विभिन्न संकायों एवं कार्यक्रमों के बारे में बताया गया। इनमें प्रमुख रूप से : सहायक स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, फार्मास्युटिकल विज्ञान संकाय, कृषि संकाय, नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय, गुरु गोरक्षनाथ आयुर्वेदिक चिकित्सा संस्थानए श्री गोरक्षनाथ चिकित्सा महाविद्यालय, अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र तथा प्रबंधन अध्ययन संकाय शामिल हैं।

वक्ताओं ने बताया कि इन सभी संकायों के माध्यम से विद्यार्थियों को आधुनिक चिकित्साए फार्मेसीए कृषि, प्रबंधन, आयुर्वेद एवं स्वास्थ्य सेवाओं के विभिन्न क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता की शिक्षा और प्रशिक्षण के अवसर प्राप्त होते हैं।

कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय में उपलब्ध अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं, सुसज्जित हॉल, पाठ्यक्रम संरचना, सह–पाठ्यक्रमीय गतिविधियों, हॉस्टल एवं आवास सुविधाओं की भी जानकारी दी गई। अंत में, विद्यार्थियों को प्रवेश प्रक्रिया एवं आवेदन की विधि के बारे में अवगत कराया गया। यह कार्यक्रम अत्यंत सफल एवं ज्ञानवर्धक रहा, जिससे विद्यार्थियों में चिकित्सा एवं नर्सिंग क्षेत्र के प्रति उत्साह और जागरूकता में वृद्धि हुई।

व्यावसायिक परामर्श कार्यशाला

फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल

चिकित्सा व स्वास्थ्य क्षेत्र में कैरियर अवसरों की जानकारी प्राप्त करते विद्यार्थी

दिनांकः 20 नवम्बर, 2025 को फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर द्वारा दिल्ली पब्लिक स्कूल, मनीराम, गोरखपुर में कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम का संचालन मिस नीतू यादव एवं श्री अनुप कुमार मिश्र द्वारा किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को चिकित्सा विज्ञान एवं स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में उपलब्ध विभिन्न कैरियर अवसरों की जानकारी प्रदान करना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के संस्थापक तथा हमारे प्रेरणास्रोत परमपूज्य योगी आदित्यनाथ जी को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए किया गया। वक्ताओं ने विद्यार्थियों को नर्सिंग शिक्षा की परिभाषा, उद्देश्य, आवश्यकता एवं महत्व के साथ–साथ नर्सिंग क्षेत्र की विभिन्न विशेषताओं जैसे–अस्पताल आधारित, सामुदायिक, अनुसंधान आधारित, उच्च प्रौद्योगिकी, प्रशासनिक एवं शैक्षणिक नर्सिंग के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही, विद्यार्थियों को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में संचालित विभिन्न संकायों एवं कार्यक्रमों के बारे में बताया गया। इनमें प्रमुख रूप से – सहायक स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, फार्मास्युटिकल विज्ञान संकाय, कृषि संकाय, नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय, गुरु गोरक्षनाथ आयुर्वेदिक चिकित्सा संस्थान, श्री गोरक्षनाथ चिकित्सा महाविद्यालय, अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र तथा प्रबंधन अध्ययन संकाय शामिल हैं।

वक्ताओं ने बताया कि इन सभी संकायों के माध्यम से विद्यार्थियों को आधुनिक चिकित्सा, फार्मेसी, कृषि, प्रबंधन, आयुर्वेद एवं स्वास्थ्य सेवाओं के विभिन्न क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता की शिक्षा और प्रशिक्षण के अवसर प्राप्त होते हैं।

कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय में उपलब्ध अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं, सुसज्जित हॉल, पाठ्यक्रम संरचना, सह–पाठ्यक्रमीय गतिविधियों, हॉस्टल एवं आवास सुविधाओं की भी जानकारी दी गई।

अंत में, विद्यार्थियों को प्रवेश प्रक्रिया एवं आवेदन की विधि के बारे में अवगत कराया गया। यह कार्यक्रम अत्यंत सफल एवं ज्ञानवर्धक रहा, जिससे विद्यार्थियों में चिकित्सा एवं नर्सिंग क्षेत्र के प्रति उत्साह और जागरूकता में वृद्धि हुई।

अतिथि व्याख्यान

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

डॉ. अतुल बाजपेई द्वारा अतिथि व्याख्यान

दिनांकः 21 नवम्बर, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरु श्री गोरखनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेज़ के समुदाय चिकित्सा विभाग (Community Medicine Department) द्वारा आयोजित शैक्षिक सत्र में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल बाजपेयी ने MBBS प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को Immunçation एवं Cold Chain Management के गूढ़ तत्वों पर प्रेरक एवं गहन व्याख्यान दिया।

अपने व्याख्यान में उन्होंने OPV वैक्सीन, विभिन्न Immunçation Types, Active–Passive Immunçation, Vaccination Schedules तथा Universal Immunçation Programme (UIP) की संरचना का गहराई से विश्लेषण करते हुए विद्यार्थियों को समझाया। उन्होंने बताया कि OPV जैसी live attenuated vaccinė किस प्रकार प्रतिरक्षा तंत्र को सक्रिय कर समुदाय esa Herd Immunity को सुदृढ़ करती हैं।

डॉ. बाजपेयी ने Cold Chain Management को टीकाकरण का आधार बताते हुए विस्तार से समझाया कि —ILr~ (Ice Lined Refrigerator) टीकों को .2 C~ से .8 ब् के सुरक्षित तापमान पर संरक्षित रखने हेतु उपयोगी है Deep Freeze का प्रयोग विशेष रूप से OPV सहित उन वैक्सीन के लिए आवश्यक है जिन्हें 15 से 25 ब् तक के तापमान पर सुरक्षित रखा जाता है। Cold Chain के किसी भी स्तर पर तापमान में विचलन से वैक्सीन की क्षमता प्रभावित हो जाती है, इसलिए तापमान निगरानी, VVM, Cold Box ,oa Vaccine Carrier का सही उपयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने विद्यार्थियों को टीकाकरण केन्द्रों की वास्तविक प्रक्रियाओं, फील्ड चुनौतियों तथा सामुदायिक स्वास्थ्य में टीकाकरण के महत्व से भी अवगत कराया।

कार्यक्रम में आगमन पर मेजर जनरल डॉ. अतुल बाजपेयी का स्वागत मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने स्मृति चिन्ह भेंट कर किया।

शैक्षिक सत्र में डॉ. नीतिश कुमार, डॉ. अखिलेश कुमार दुबे सहित MBBS प्रथम वर्ष के विद्यार्थी उपस्थित रहे। अंत में डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि डॉ. बाजपेयी का गहन ज्ञान और अनुभव विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभप्रद है तथा यह व्याख्यान उनके चिकित्सकीय दृष्टिकोण का विस्तार करेगा।

भारतीय ज्ञान परंपरा उपलब्धि

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

अदानी ग्लोबल इंडोलॉजी कान्क्लेव 2025 में द्वितीय स्थान प्राप्ति पर छात्र को कुलपति द्वारा बधाई

दिनांकः 25 नवम्बर, 2025 को माननीय कुलपति डॉ सुरिंदर सिंह द्वारा अहमदाबाद में अदानी ग्लोबल इंडोलॉजी कॉन्क्लेव 2025 में आईकेएस पोस्टर प्रजेंटेशन में ईश्वरचंद को द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं व बधाई प्रदान किया गया।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज आयुर्वेद कालेज के बीए एम एस छात्र ईश्वरचंद गुप्ता अदानी ग्रुप एवं इंडियन नॉलेज सिस्टम (IKS) द्वारा शांतिग्राम, अहमदाबाद में अदानी ग्लोबल इंडोलॉजी कॉन्क्लेव 2025 में पोस्टर प्रजेंटेशन में द्वितीय स्थान व प्रमाण पत्र और पुरुस्कार स्वरूप पचास हजार रूपए प्राप्त करने के लिए विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह, कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव सहित विश्वविद्यालय के आईकेएस केन्द्र के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम, सह प्रचार्य डॉ. रघुराम आचार्य,

डॉ. प्रिया नायर, डॉ. साध्वी नन्दन पाण्डेय ने बधाई वो उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रदान किए।

माननीय कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने अपने प्रदर्शन से विश्वविद्यालय का मान बढ़ाया। विशेष रूप से ईश्वर चंद्र गुप्ता की सफलता ने पूरे आयुर्वेद संकाय को गौरवान्वित किया है।

उप प्राचार्य डॉ. सुमित ने कहा कि अदानी ग्लोबल इंडोलॉजी कॉन्क्लेव 2025 विद्यार्थियों के लिए ज्ञान, संस्कृति एवं शोध का उत्कृष्ट मंच सिद्ध हुआ। इस आयोजन में बीएएमएस छात्रा सिमरन तिवारी की सहभागिता भी रही। डॉ. साध्वी नन्दन पाण्डेय ने बताया कि अदानी ग्लोबल इंडोलॉजी कॉन्क्लेव 2025 भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा को आधुनिक संदर्भों से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ। इस सेमीनार में देश भर के विभिन्न विश्वविद्यालयों से स्नातक, परास्नातक विद्यार्थी एवं प्रोफेसर इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम का विशेष आकर्षण लोकप्रिय रामायण कलाकार अरुण गोविल (श्री राम) एवं डॉ. नीतिश भारद्वाज ;श्री कृष्ण) की गरिमामयी उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि के रूप में अदानी ग्रुप की सुश्री प्रीति अदानी ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

संविधान दिवस कार्यक्रम

दिनांकः 26 नवम्बर, 2025 को महायोगी गुरु गोरखनाथ विश्वविद्यालय द्वारा संचालित गुरु गोरखनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद संकाय में (मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी, संवत् 2082 विक्रमी) संविधान दिवस कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय संविधान की महत्ता, उसके मूल आदर्शों तथा नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को संविधान की प्रस्तावना एवं मूल्यों को समझाते हुए संविधान की शपथ दिलाई गई। शपथ ग्रहण के माध्यम से सभी उपस्थित विद्यार्थियों ने देश की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर आयुर्वेद संकाय के कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. सुमित कुमार एम, आचार्य शांति भूषण, सहायक आचार्य डॉ. सार्वभौम तथा सह आचार्य डॉ. प्रज्ञा सिंह सहित सभी शिक्षकगण उपस्थित रहे।

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

संविधान शपथ लेते हुए विद्यार्थी

वक्ताओं ने संविधान के महत्व पर अपने विचार प्रस्तुत किए और विद्यार्थियों को जिम्मेदार, संवेदनशील और जागरूक नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का समापन राष्ट्रहित और संविधान के आदर्शों के पालन के संकल्प के साथ किया गया।

उपलब्धि

अनिकेत मल्ल (एनपीयू) द्वारा स्टुडेंट एम्बेस्डर के रूप में चयनित

कृषि संकाय

दिनांकः 27 नवम्बर, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित कृषि संकाय के छात्र अनिकेत मल्ल को Nature Positive Universities (NPU) द्वारा वर्ष 2025.26 के लिए Student Ambassador के रूप में चयनित किया गया है। यह चयन उनकी पर्यावरणीय समझ, नेतृत्व क्षमता और सतत विकास के प्रति उनके सशक्त दृष्टिकोण का महत्वपूर्ण प्रमाण है।

Nature Positive Universities (NPU) संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) और Oxford विश्वविद्यालय की संयुक्त पहल है, जिसका उद्देश्य विश्वभर के उच्च शिक्षा संस्थानों को जैव. विविधता संरक्षण, प्रकृति पुनर्स्थापन और सतत विकास के लिए प्रेरित एवं सक्षम बनाना है।

यह कार्यक्रम विश्वभर में जैव–विविधता हानि को कम करने, कैंपसों को प्रकृति. पॉजिटिव दिशा में आगे बढ़ाने व युवाओं को पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए सशक्त बनाने के लिए समर्पित है।

विश्व स्तर परए यह पहल ऐसे युवाओं को तैयार करता है जो अपने विश्वविद्यालयों और समुदायों में पर्यावरणीय

जागरूकता और प्रकृति. पॉजिटिव गतिविधियों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। अनिकेत अब Nature Positive Student Ambassador Programme के अंतर्गत विभिन्न ऑनलाइन वर्कशॉप्स, कैंपस–आधारित एक्टिविटीज़, जागरूकता अभियानों और प्रोजेक्ट्स में सक्रिय भूमिका निभाएँगे।

इसके साथ ही, वह वैश्विक छात्र नेटवर्क का हिस्सा बनकर अपने विचार, अनुभव और परियोजनाएं दुनिया भर के छात्रों और विशेषज्ञों के साथ साझा करेंगे। यह चयन न केवल विश्वविद्यालय के लिए गर्व का विषय है, बल्कि यह युवा नेतृत्व को वैश्विक स्तर पर सामने लाने का एक प्रेरणादायी उदाहरण भी है। अनिकेत मल्ल के चयनित होने पर अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. विमल कुमार दुबे व विश्वविद्यालय प्रशासन ने हर्ष व्यक्त किया है।

अतिथि व्याख्यान (आईकेएस) गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए डॉ. रामा एस. द्विवेदी

दिनांकः 28 नवम्बर, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, आयुर्वेद में भारतीय ज्ञान परंपरा (IKS) केन्द्र द्वारा 'स्वास्थ्य देखभाल पर धार्मिक विश्वासों का प्रभाव' विषय पर एक सारगर्भित अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे डॉ. रमा एस. द्विवेदी, पीएचडी, डिप्लोमेट, अमेरिकन बोर्ड ऑफ फ़ॉरेंसिक मेडिसिन प्रोफ़ेसर, मेडिसिन विभाग, तथा वरिष्ठ विषाविज्ञानी, फार्माकोलॉजिस्ट, यूएस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन।

उन्होंने कॉस्मिक स्पिरिचुअलिटी की चर्चा करते हुए आइंस्टीन द्वारा 1930 में प्रकाशित 'लिजन एण्ड साइंस' का संदर्भ दिया। उन्होंने बताया कि धार्मिक विश्वास मानव मनोविज्ञान से उपजे हैं भय, संरक्षण की चाह और विस्मय व रहस्य का गूढ़ अनुभव, यही तीन स्तर मानव आस्था की संरचना को परिभाषित करते हैं।

डॉ. द्विवेदी ने कहा कि आधुनिक क्लिनिकल स्टडीज़ यह स्पष्ट करती हैं कि रोगी और चिकित्सक दोनों की धार्मिक–आध्यात्मिक पृष्ठभूमि स्वास्थ्य निर्णयों, बीमारी सहन क्षमता तथा उपचार अनुपालन पर उल्लेखनीय प्रभाव डालती है।

कोविड–19 महामारी के दौरान अध्यात्म ने चिकित्सा–कर्मियों में मानसिक स्वास्थ्य, करुणा और सहनशीलता को बढ़ाने में सहायक भूमिका निभाई।

शोध अध्ययनों में पाया गया कि धार्मिकता अवसाद, नशीली वस्तुओं के दुरुपयोग और आत्महत्या जैसी प्रवृत्तियों में कमी लाती है। प्रार्थना ध्यान जैसे अभ्यास रक्तचाप संतुलन और प्रतिरक्षा मज़बूत करने में सहायक पाए गए हैं।

डॉ. द्विवेदी ने हिंदू एवं इस्लामी धार्मिक सिद्धांतों के उदाहरण देते हुए बताया कि विभिन्न आस्थाएँ जीवन, स्वास्थ्य और उपचार को अपनी सांस्कृतिक दृष्टि से देखती हैं किन्तु हिंदू परंपरा में मन–शरीर–आत्मा का संतुलन, योग–ध्यान व सात्विक जीवनशैली स्वास्थ्य की आधारशिला है,

वहीं इस्लाम में शरीर को ईश्वर की अमानत मानते हुए स्वास्थ्य संरक्षण को धार्मिक कर्तव्य कहा गया है।

उन्होंने सांस्कृतिक दक्षता को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा की अनिवार्य शर्त बताया।

रोगी की मान्यताओं का सम्मान, संवाद, परिवार की भागीदारी तथा धर्मगुरुओं द्वारा मंत्र जप अनुष्ठान उपचार परिणामों को प्रभावी बनाते हैं।

भारत के संवैधानिक और विधिक ढाँचे, राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति, अंग प्रत्यारोपण अधिनियम तथा इच्छामृत्यु संबंधी न्यायालयीय निर्णयों का उल्लेख भी उन्होंने किया, जो स्वास्थ्य नीति में सांस्कृतिक संवेदनशीलता की पुष्टि करते हैं।

व्याख्यान के समापन पर डॉ. द्विवेदी ने कहा जब विज्ञान और अध्यात्म साथ चलते हैं, तब उपचार अधिक मानवीय, करुणाशील और प्रभावी बनता है।

अध्यक्षीय भाषण देते हुए मे श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हास्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि 'स्वस्थ' का वास्तविक अर्थ स्वयं के स्वरूप में स्थित होना है। ध्यान, चित्त–स्थिरता और आत्मानुशीलन स्वास्थ्य का आधार हैं।

स्वागत भाषण देते हुए आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य व आईकेएस प्रिंसिपल डॉ. गिरिधर वेदांतम ने कहा कि आधुनिक चिकित्सा और आयुर्वेद जैसे पारंपरिक ज्ञान–तंत्रों का एकीकृत मॉडल रोगियों की जीवन–गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार ला सकता है।

अतिथि परिचय फार्मेसी संकाय के डीन डॉ. मधुसूदन पुरोहित ने कराया। धन्यवाद भाषण डॉ. चन्द्रशेखर मूर्ती ने किया।

कार्यक्रम में उप–प्राचार्य डॉ. सुमित, आईकेएस सह समन्वयक डॉ. साध्वी नन्दन पाण्डेय, डॉ. देवी नायर, डॉ. अभिजीत, डॉ. प्रज्ञा सिंह, डॉ. सार्वभौम, डॉ. नवोदय राजू, संकाय सदस्यों, चिकित्सकों शोधार्थियों एवं बीएएमएस, एमबीबीएस विद्यार्थियों, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक

15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

कृषि संकाय

राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान में प्रशिक्षण प्राप्त करते कृषि संकाय के विद्यार्थी

दिनांकः 29 नवम्बर, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कृषि संकाय के सप्तम सेमेस्टर के 30 विद्यार्थियों ने लखनऊ स्थित राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान (NBRi~ – National Botanical Research Institute) में 15 दिवसीय RAWe प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया।

यह प्रशिक्षण विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी, ज्ञानवर्धक तथा व्यावहारिक अनुभव से परिपूर्ण रहा, जिसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रयोगशाला आधारित अनुसंधान, उन्नत तकनीकों एवं आधुनिक कृषि आधारित जैव–प्रौद्योगिकी की समझ विकसित कराना था।

प्रशिक्षण कार्यक्रम को दो विशेष इकाइयों में विभाजित किया गया था। 15 विद्यार्थियों ने प्लांट टिशू कल्चर यूनिट (Plant Tissue Culture Unit) में विस्तृत प्रशिक्षण प्राप्त किया। यहाँ विशेषज्ञ वैज्ञानिकों द्वारा विद्यार्थियों को टिशू कल्चर तकनीक की मूल अवधारणाओं, मीडिया प्रिपेरेशन, न्यूट्रिएंट फॉर्मुलेशन, एसेप्टिक कंडीशन में कार्य करने की विधि, कॉलस इंडक्शन, शूट एवं रूट रीजेनेरेशन, हार्डनिंग प्रक्रिया तथा पौधों के सूक्ष्म संवर्धन (Micropropagation) के विभिन्न चरणों की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने प्रयोगशाला में व्यावहारिक कार्य करके यह सीखा कि किस प्रकार टिशू कल्चर तकनीक का प्रयोग गुणवत्तापूर्ण पौध प्रतिरूपण, रोग–मुक्त पौध उत्पादन तथा वाणिज्यिक पौध संवर्धन में किया जाता है। दूसरी ओर, 15 विद्यार्थियों ने बायोफर्टिलाइज़र यूनिट (Biofertilçer Unit) में 15 दिनों का प्रशिक्षण प्राप्त किया, जहाँ उन्हें जैव उर्वरकों के महत्व, निर्माण प्रक्रिया तथा कृषि में उनके उपयोग की विस्तृत जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों ने राइजोबियम, ऐजोस्पिरिलम, पीएसबी (Phosphate Solubilçing Bacteria) जैसे लाभकारी सूक्ष्मजीवों की पहचान, संवर्धन विधि, कैरियर सामग्री की तैयारी, पैकेजिंग एवं गुणवत्ता परीक्षण तकनीकों का गहन अध्ययन किया।

विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को यह भी बताया कि जैव उर्वरक रासायनिक उर्वरकों का सुरक्षित विकल्प है, जो मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ाते हैं, पर्यावरण को सुरक्षित रखते हैं तथा टिकाऊ कृषि प्रणाली के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों ने वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन में प्रायोगिक कार्यों में भाग लिया, शोध प्रयोगशालाओं का निरीक्षण किया तथा अनुसंधान प्रक्रियाओं को नजदीक से समझा।

इस कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में शोध के प्रति रुचि और आधुनिक कृषि विज्ञान के प्रति जागरूकता को और अधिक सुदृढ़ किया।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति महोदय डॉ. सुरिंदर सिंह एवं कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दूबे ने विद्यार्थियों के इस सफल प्रशिक्षण की प्रशंसा करते हुए कहा कि NBRI जैसे प्रतिष्ठित संस्थान में RAWe प्रशिक्षण प्राप्त करना विद्यार्थियों के भविष्य के लिए अत्यंत मूल्यवान है। इससे न केवल उनका व्यावहारिक अनुभव बढ़ता है, बल्कि आधुनिक कृषि, जैव. प्रौद्योगिकी और अनुसंधान आधारित शिक्षा की गहरी समझ विकसित होती है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि विद्यार्थी इस ज्ञान का उपयोग अपने भविष्य के शैक्षणिक एवं व्यावसायिक विकास में करेंगे।

यह 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए एक समृद्ध अनुभव रहा, जिसने उन्हें प्रयोगशाला आधारित अनुसंधान, तकनीकी कौशल एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान किया।

इस सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन, NBRI लखनऊ के वैज्ञानिकों एवं सहयोगियों ने अत्यंत उत्साह और सहयोग प्रदान किया।

एकदिवसीय विशेष शिविर

नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय

शिविर में प्रतिभाग करतीं स्वयंसेविकाएं

दिनांकः 30 नवम्बर, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की माता अनुसुईया इकाई द्वारा ग्राम बैजनाथपुर में द्वितीय एकदिवसीय विशेष शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण समुदाय को विविध सामाजिक मुद्दों पर जागरूक करना, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता संबंधी व्यवहारों में सुधार लाना तथा सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को सुदृढ़ करना रहा। निर्धारित कार्यक्रमानुसार स्वयंसेविकाओं को पाँच समूहों में विभाजित कर विषयानुसार जागरूकता गतिविधियाँ संचालित की गई। प्रथम समूह की स्वयंसेविकाएँ– नेहा कुमारी, खुशबू, पूनम भारती, गुड़िया सिंह, सालिनी गुप्ता एवं अन्य सदस्यों ने मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण विषय पर प्रभावी जागरूकता कार्यक्रम प्रस्तुत किया। समूह द्वारा नुक्कड़ नाटक, पोस्टर प्रस्तुति एवं संवादात्मक गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को उनके विधिक अधिकारों, सुरक्षा प्रावधानों तथा आत्मनिर्भरता के महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं ने इस पहल को अत्यंत प्रेरणादायी और उपयोगी बताया। 'द्वितीय समूह की स्वयंसेविकाएँ– हर्षिता मिश्रा, सम्मी, अनुष्का यादव, मुस्कान कुमारी, शिखा यादव एवं अन्य द्वारा नशा मुक्ति अभियान पर केंद्रित जनजागरूकता कार्यक्रम संचालित किया गया। पोस्टर प्रदर्शन एवं प्रत्यक्ष संवाद के माध्यम से समूह ने मद्यपान, तंबाकू एवं अन्य मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक तथा सामाजिक दुष्प्रभावों की जानकारी ग्रामीणों को दी।

स्वयंसेविकाओं ने उपस्थित युवाओं को नशा–मुक्त जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित किया और उन्हें स्वास्थ्य जोखिमों के प्रति सतर्क किया। तृतीय समूह की स्वयंसेविकाएं–साधना चौधरी, रिचा भारती, सिंका, रुचि गुप्ता, काजल कनौजिया, अर्चना वरुण एवं रागिनी यादव द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया गया।

समूह ने घर एवं आसपास की स्वच्छता, स्वच्छ पेयजल, कचरा प्रबंधन तथा संक्रामक बीमारियों की रोकथाम पर आधारित महत्वपूर्ण जानकारियाँ ग्रामीणों तक पहुँचाईं। स्वच्छता रैली एवं सफाई गतिविधि के माध्यम से पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना को प्रोत्साहित किया गया। चतुर्थ समूह की स्वयंसेविकाएं–संध्या कुमारी, बबली शर्मा, लक्ष्मी, शीतल शर्मा, नित्या राय, मिनाक्षी श्रीवास्तव एवं प्रतिमा पासवान ने महिला स्वास्थ्य एवं पोषण विषय पर जागरूकता कार्यक्रम प्रस्तुत किया। समूह ने महिलाओं को मासिक धर्म स्वच्छता, संतुलित आहार, प्रसवपूर्व एवं प्रसवोत्तर देखभाल तथा सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं की रोकथाम से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं की जानकारी दी। ग्रामीण महिलाओं ने इस सत्र को अत्यंत लाभकारी बताया।

पंचम समूह की स्वयंसेविकाएं– प्रिया राज यादव, सोनाली पाण्डेय, श्वेता शुक्ला, अम्बालिका यादव, निधि यादव एवं अन्य सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण के विषय पर जागरूकता अभियान चलाया। समूह ने जल संरक्षण, वृक्षारोपण, प्लास्टिक मुक्त परिवेश, जैविक अपशिष्ट प्रबंधन तथा पर्यावरणीय सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण सुझाव ग्रामीण समुदाय को प्रदान किए। शिविर में ग्रामीणों की उपस्थिति उत्साहजनक रही। ग्राम प्रधान द्रौपदी देवी ने कहा कि इस प्रकार के शिविरों का आयोजन ग्रामीण विकास एवं जनजागरूकता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि ऐसे आयोजनों से समाज में सकारात्मक वातावरण बनता है तथा लोगों को व्यवहारगत परिवर्तन के लिए प्रेरणा मिलती है।

इस एकदिवसीय शिविर का आयोजन माता अनुसुईया इकाई की कार्यक्रम अधिकारी सुश्री सुमन यादव के सक्षम नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम अधिकारी ने स्वयंसेविकाओं के कार्य, अनुशासन एवं समाज सेवा की भावना की सराहना करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य युवा शक्ति को राष्ट्र एवं समाज के प्रति संवेदनशील बनाना है और यह शिविर उसी उद्देश्य की पूर्ति का महत्वपूर्ण माध्यम सिद्ध हुआ। देवी ने कहा कि इस प्रकार के शिविरों का आयोजन ग्रामीण विकास एवं जनजागरूकता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि ऐसे आयोजनों से समाज में सकारात्मक वातावरण बनता है तथा लोगों को व्यवहारगत परिवर्तन के लिए प्रेरणा मिलती है।

विभागीय आयोजन

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

17 दिसम्बर, 2025	अतिथि व्याख्यान
18 दिसम्बर, 2025	स्वास्थ्य जागरूकता शिविर
22 दिसम्बर, 2025	स्वास्थ्य जागरूकता शिविर
24 दिसम्बर, 2025	स्वास्थ्य जागरूकता शिविर

महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज

20–21 दिसम्बर, 2025	ऑल इंडिया मेडिकल लैबोरेटरी एसोसिएशन व फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एवं पैरामेडिकल के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय संगोष्ठी।

श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेण्टर

01 दिसम्बर, 2025	एड्स जागरूकता दिवस
05 से 13 दिसम्बर, 2025	एक्सटर्नल प्रायोगिक परीक्षा (बीएससी एवं एसएससी मेडिकल बॉयोकेमिस्ट्री/ मेडिकल माइक्रोबॉयोंलॉजी)
17 से 30 दिसम्बर, 2025	विषम सेमेस्टर थ्योरी परीक्षा (बीएससी एवं एसएससी मेडिकल बॉयोकेमिस्ट्री/ मेडिकल माइक्रोबॉयोंलॉजी)

कृषि संकाय

1–10 दिसम्बर, 2025	द्वितीय आतंरिक परीक्षा
23 दिसम्बर, 2025	किसान दिवस का आयोजन
31 दिसम्बर, 2025	अध्ययन बोर्ड की बैठक

आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका

निर्माणाधीन परिसर

01 निर्माणाधीन क्रीडांगन

02 निर्माणाधीन फार्मेसी संकाय

03 निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज

04 निर्माणाधीन शिक्षक आवास

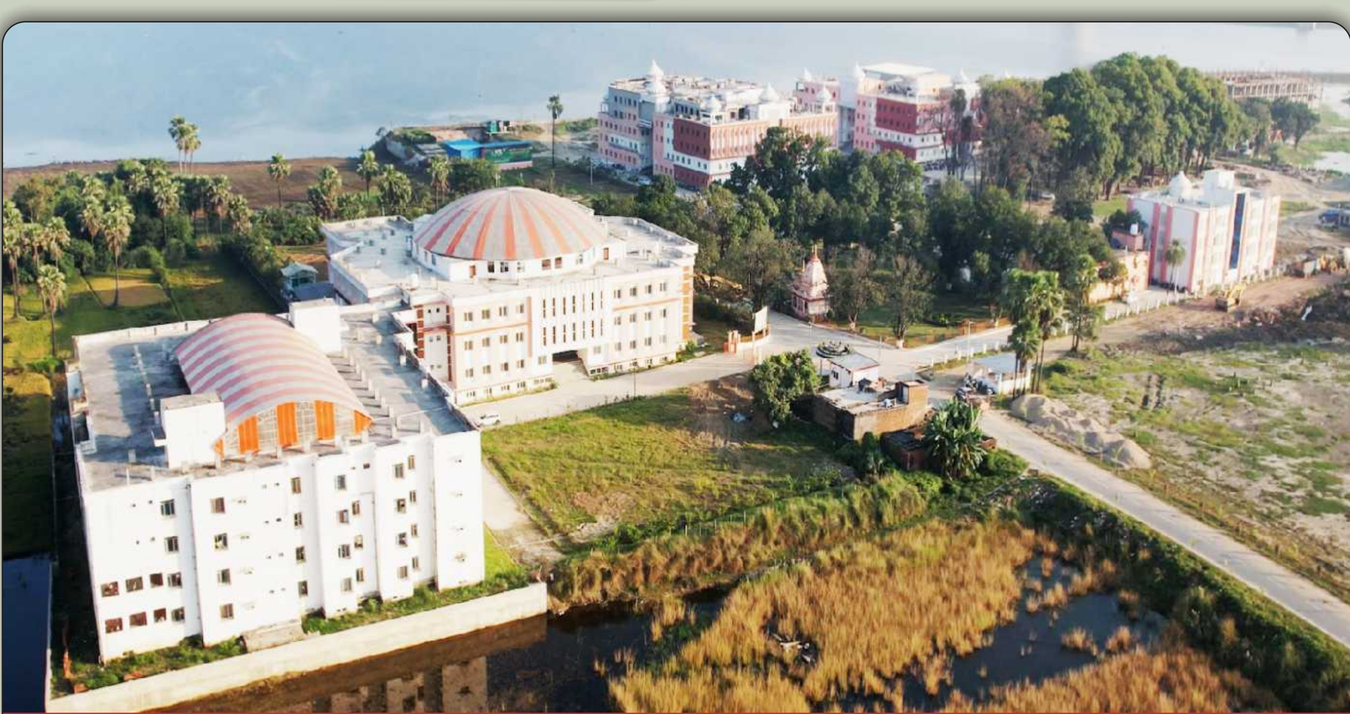

05 विश्वविद्यालय परिसर का वायवीय दृश्य

आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका

01 डॉ. राजीव सक्सेना

02 डॉ. रामा एस. द्विवेदी

03 आदर्श पुलिस चौकी पर पुलिस कार्य को समझते विद्यार्थी

04 शिष्योपनयन संस्कार

05 शैक्षणिक भ्रमण के दौरान कृषि संकाय के विद्यार्थी

शैक्षणिक भ्रमण के दौरान कृषि संकाय के विद्यार्थी

07 अदानी ग्लोबल इंडोलॉजी कान्क्लेव 2025 में द्वितीय स्थान प्राप्ति पर छात्र को कुलपति द्वारा बधाई

प्रधान सम्पादक
डॉ. विमल कुमार दूबे

सम्पादक
आचार्य साध्वीनन्दन पाण्डेय

संपादक मण्डल
श्री रोहित श्रीवास्तव, डॉ. अनुपमा ओझा

ग्राफिक्स डिजाइनर : श्री शारदानन्द पाण्डेय

mguniversitygkp@mgug.ac.in
+91-9415266014, +91-9935904499, +91-9794299451
https://www.mgug.ac.in/
Arogya Dham, Balapar Road, Sonbarsa, Gorakhpur